मंजु रामायण युगलानन्य

श्रीसीतारामजू महाराजजी कीजैहो॥प्याया कर प्रेमप्रीति मे
रिंछायाकर॥खाया कर खोफखामका मन मिटाया कर॥नाया
करतीनतार झीननासमाया कर॥द्वयीयबोधपाय चित्त चल
चिताया कर॥दाया कर हरदमदिल स्वरूपांगमाझभोरसों
झआशिकहोइश्क को कमाया कर॥साया करसरसमोदमे
घनवरसाया कर॥रशिकनसिलिमोजफोजमानमदमलाया
कर॥राया कर रंकसंकवंक कोवहाया कर॥सीतापतिशरण२
श्राप श्रौरनहिमनाया कर॥माया करदूरनूरनेहजीजमाया क

र॥श्रीयुतनेअनन्यहच्छभावतुछमननामायाकर॥१॥मजल॥
जहाचाहोनहोंगाखोहमाराकुछनचाराहै॥फकतनेरीकृपाकों
येमहमनमनमेविचाराहै॥खुशीगमसुखजमसुरपुरखगव
रखूझधाराहै॥हुकमसेहैसुभेमनजरतखतओदाहदाराहै॥
मित्तनसवीरपरवसहौअचेतनचिंतहमाराहै॥कहैंकिसतौ
रसेअजौंतुझेजाहिरपसाराहै॥उरैउरउल्फतेउज्वलवजूदते
रेपहलाराहै॥करमकरिकेमेहरकीजेकरमअवलंवताराहै॥जौन
विधिचाहियेरखियेसवीविधिममगुजाराहै॥श्रीयुगलअन

॥९॥

त्यनसवीसमफिरेनेरेअधाराहै॥२॥अपनजुलिव्यते॥॥
मैनापितापुत्रप्यारीनारीजेजगतसनेहीहै॥तेनेसवचक्र
नालायकठगमगनाशकएहीहै॥उपरमधुरवचनवोलेवहु
अंतरकपटनिरेहीहै॥श्रीजुगलअनन्यशरणासनसंगति
भजनसुधनूनरदेहीहै॥१॥जागुजागुजडजीवपीवपथपखि
परमपदपावो॥कासोवोसुखस्वादआदिनहिनिरखिअधि
कपछितावो॥हैनेरेकोईनाहीइनकासोप्रीतिरचावो॥श्रीयु
गलअनन्यविरागकरोअबवेरवृथाहीनावो॥२॥कामान

मंजु
॥२॥ लवदुनियोदासिसेजवहोगयापकीरा॥कौडीसापकामक्या
उसकोमिलाअसलजवहीरा॥एकसेकलवकौनकरेजकामि
लाअसलजवहीरा॥श्रीयुगलअनन्यशरणाहरदमअवअ
भयरहाकरुथी॥३॥क्याखवमसालेटकेशितारेमानिकसु
कुमारीपीहै॥सुचिवेलचनीछविरुचिघनीबूटीजरनारीओ
पीहै॥होइरह्योप्रकासारशिकनवासाभानुचंद्रदुतिनोपीहै
॥एमखत्साकेभलीलिलिनशिरसननोकीलीयोपीहै॥एकेजन ॥४॥
मीनमृगाअलिपंकजछौनारीढेहंसीके॥सांगकपानकटारक

तिलेरससेअधिकप्रसंसीके॥बांकीलटिनलालेंकीलटकनि
मंचविहंगकेफंसीके॥नैनाजालिमजोरवाकुड़ारामलालाघुवं
सीके॥ध्रु॥क्याचालसानअलबेलेहैंगजलाजारहेमलेमः
लें॥जिनदेखेइनकेचितनअनमोलविकेसलेसलें॥र
सरूपमाधुरीवरसनवेसविजानचलेरलेरलें॥रामलालान
पुनंदननेदिलछीनलियाहलेहलें॥६॥जीवनहीलकेउहोजा
वैसोसक्करकोखावेगा॥कीसभीवेघटकरलेवेसोफकरपर
पावेगा॥जादूजाहिरचक्करमकरछोडिसरूपसमावेगा॥प्रीयु

॥२॥ गलभ्रनन्यभ्रनूपनामधुनिसुनिसुनामसरसानेगा॥७॥नस
वीफिरनहीकरडोलेवदननवोलेवानी॥सवोरोजमहबूवयादि
कीमालामेहरनिसानी॥चाखेरसमातेसपनेनहिनामभ्रम
लमनमानी॥युगलनन्यफकीरिमुशकिलकोईविरलापहि
चानी॥८॥चश्मचोटकीभ्रोटनकरनालोटपोटहोजानाहै॥
लाजमोटकोपटकतीशतेइश्ककोटखुदखानाहै॥खनरा
खोफजुदाकरफोरनेहनिशानवजाहै॥युगलभ्रनन्यख
वरदीतिसेसोवेमनमलनाहै॥९॥जुल्फैजुल्मजहरकोभी

नीदरसेउसेनवीनीहै॥रोमरोममेछायारहाविषमेत्रजंगम
निहनीहै॥वेदहींदिल्वरश्रलवेलाछैलाछैलनवीनीहै॥यु
गलश्रनन्यप्राणासंजीवनदेवेनेदुखछीनीहै॥१०॥सियवल्ल
सेजायहकीकनकहैकोईश्रवमेरी॥मणिविनुफणिजलहीं
नमीनत्योदसाहमारीघेरी॥जोश्रावैदिल्दारयानोउपजैमो
जघनेरी॥युगलश्रनन्यशरणनेरीहितराहरैनदिनहेरी॥११॥
सीतारामरूपश्राशकश्रलवेलेश्रधिकश्रदागीहै॥भीलाराम
गहेशिरमागुरुसागरमगनसुभागीहै॥जीवाकामकालका

हिलकुलंकीफ़ीरहितविरागीहै॥युगलअनन्यशरणअंतर
घटजरतविरहकीआगीहै॥१२॥निरमोहियानिजनाहआ
हहियदायककासेकहिये॥सुमिरिसुमिरिगुणाजालख्यालम
नमाहमौनहोइरहिये॥कठिनकलंकपंकअंतरगुनिखेदवि
धिधिसिरसहिये॥युगलअनन्यशरणाप्रीतमहिनअनलप्रव
लयुनदहिये॥१३॥रसरूपाप्रेमाप्रधानरसखानइश्ककेसं
गीहै॥विधिनिषेदउपखानगानवंधानवधानअसंगीहै॥जी
वनजानपीयूषरूपगुणाउठनहमेशनरंगीहै॥युगलअनन्य ॥९॥

शरणाश्राशकरसजनसियपियसंगीहै ॥१४॥क्याकुरतनमेरीप्या
रेजोकहैतुनैगुननिजनेहीका॥मेषसारदारिकहारेनहिपायापारनि
रहीका॥जिनकेवसवनीवल्लभजोयोयोचिन्नविदेहीका॥श्रीजुग
लअनन्यशरणासेवकसवनोरसहीगुनोहीका॥१५॥आशकहो
नासज्जनहीमरनेसेमोसकिलमानोगे॥पलपलपरमरनाजी
नानिस्कोकोकरपहिचानोगे॥चोजचमत्कारीनचलैनहोयहमे
सागनोगे॥श्रीजुगलअनन्यशरणाआशकरसखानकानश्च
मोगे॥आसकअसलउमासकखासेअभिलाषेरसासहै॥नाग्क

नंजु
(५)

सकलविभूतिविचारश्रमलश्रनूपमश्रासेहै॥हरहमेस
श्रावेशावेशनिजपारयहूपश्रभ्यासेहै॥युगलानन्यश्रारे
णाकेजीवनजाहिजगतउदासेहै॥१७॥हितदासोकीदूरदृ
दकहिदुनियोंसेकुछन्यारीहै॥उसहीमेमसगस्लश्रहरलहजीरहेव
हारीहै॥बोलनहसनमिलनतिसहीमयवाहरभानबिसारीहै॥
युगलानन्यशरणाहमनोसोइश्रासकीवलेहारीहै॥१८॥नेह
उरु हि जोएदरदिलपरीप्रीतिलगाइ॥एवभाखोहिसमिलनमोह
वनीमरुवीखूबसजाई॥लूरंगदारलयलालनडोरीजिक्र ए म
(५)

जमाई॥युगल अनन्य हमेसे भूलै सीयसहि नसुखदाई॥ १८
धूनी नेह जलाई हमनेस बोरी जदिल अंदर॥ आन प्राआह
हमेसे निकसे जलै जिसि मन मंदर॥ या दवार को हरदम
मालाफिरे कहरके के दर॥ युगल अनन्य नजर मे मेरे आता
नहीं सिके दर॥२०॥ भीनी निसा अंधेरी घेरी घोनी मोजदर
सावै॥ लहर कहर मय उठे अनूठे देख न जिय डर पावै॥
पारयार दिस्टार सलोना मोसकि लगि लन मन नावै॥ युगल
नन्य शरण इहमारग सुचुकसार कहं पावै॥२१॥ इह अजंत्रवा

रीकवालसेसौगुननजरनआवे॥ऐरयेकनरफकेमानिंदसी
रीहवावहावै॥रंगदासंगीनहिटिगैनिमिरनीमदमछावे॥
युगलअनन्यशरणासुरसीदेकीमेहरसहिनसुखपावै॥२॥
जुलफैचिलकदारसमयसुखमधुरमाहमेछूटी॥उपमा
कौनकहैमनमनिगतिआनपलकमेलूटी॥अडुतछटा
छैलछविमीलीमनमथनमानमदकूटी॥सुरमेसहिनसलो
नेसुन्दरयुगलअनन्यशरणाआशाकी॥असलसजीवनबू
टी॥३॥सुरमेसहिनसलोनेसुन्दरसुखमासरश्रीसारसे॥अनुप

मअमलअमालअसलअनुरागबुंदबसे॥मननवचनरच
ननागरगुननामरूपरिवनघटके॥वनवनसजननबोजिघालजि
नलिजप्रीतमहितभटके॥युगलअन्यशररणाअविरअव
वासीसरजूतटके॥२४॥चटकमटकसेक्याहोलिलहरसाय
तनाहकपचतेहो॥ललनलटकमेअटकिरहोक्योवटके;
वणवीचहतेहो॥कटककामकुलविकटकतनकरिनाममा
भनहिमचतेहो॥युगलअनन्यअसलआसहोयअंतक
सेनहिवचतेहो॥२५॥क्योवेनाहकसमझातेहोमुझेमरलतो

जानो॥हमतोरोगसोगसेसंजुतविरहवियोगपछानो॥जोअ
छेकरनेकीरवाहिसतौदिनवरकोआनो॥युगलअनन्यश
रणासवहीविधिअवनोअसतदिवानो॥२६॥जीवनजान
जवाहिरजगमगजडितमहलमोरहनेहै॥ललितलाडिली
लालनोनाईलविलोचनदृगवहतेहै॥मनमाशूकमिला
वनिरंतरइक्ककहानीकहतेहै॥युगलानन्यशरणानगटग
मगनिंदासुनतनदहनेहौ॥२७॥तेरीओडगरूरीभूरीभाग
भलाहै॥मुझेजीवनीमूरीनूरीपीतिप्यारसलाहै॥नूरीमोहमोहवं ॥८७॥

नसवकीकुरीकामकलाहै॥युगलश्रनन्यसवूरीदरदिलपिल
केरंगरलाहै॥२८॥सरवनसानसरोजवदनवरश्रोजपिलायच
लाहैमेरंगरोमरोमदैश्रंदरसीतलसीरसलाहै॥चाहतमान१
श्रामकीसिमटीनिपटीवुरीपलाहै॥युगलश्रनन्यमनोरथ
नहतरश्रद्भुतफहमफलाहै॥२९॥हीदमदरवाजारतमा
सासखुनवीचनहिश्रातीहै॥गुनागुनश्राजायवनकासासो
दासोकविकातीहै॥खरीहारसरहारसलोनासुन्दररूपदेखा
तीहै॥युगलानन्यशरणासुरसिदमेहपायछविमातीहै॥३०॥

संजु
८॥

खिलवतावररवलक कपाजानेखालीमहलमहाला पहुचे
जहांनपीरपयंवरश्रेवरवीचमहाला॥जिसप्रकारेकरमकायम
वहुतखडोपटेवाला॥युगलानन्यशरणसेश्रीनपनलाला
॥३१॥लीजेखेचिमुझेप्यारेश्रवबहनेकीनहिताकत॥वहुतरो
जसेवहताश्रायामहामोहमदछाकत॥सवसेजानपछानकि
यापरभयानएकसराकत॥युगलानन्यशरणासेकीजेस्तिव
स्त्रापरिफाकत॥३२॥कूंजीलगनइकतालेरामुरलिस्तुझेव
नाया॥मेहनतविनाखोलकेश्रंदरश्रद्भुतचमकतथाया॥

कातारीफ जवासेउसकी अनिर्वाच्य भक्तकाया ॥युगलानन्य श
रणा अटकादिलउलटिफेरनहिआया ॥३३॥ अयमहबूबमाहरो
मनजैसनदलसजाने ॥ रूनारूनगुलाबीगुलसननिस्काआ
जमुलाने ॥ मेवामधुरमोरवामाखननिमकीगरममसाले ॥यु
गलानन्यशरणासाबितरसजसकीघडीवजाने ॥३४॥इनि
एदारफकीरयारहकपासकभीजोआनाहै ॥जणानिसक्तवार
घरघरकीचस्चाचटकचलानेहै ॥ दीलनयाफजंदमंदमनि
मागनसरमनलानेहै ॥युगलअनन्यशरणसंतोकेदिलकेआ

निसनातेहै॥३५॥दरदिलदागदिमागवागगुलहरनभ्रजरवभ्रसीरी॥
एकइमारतभ्रारतहरनिजदूजेदेशजगीरी॥तीजेसंगरेगवामापुनि२
जातुतियभ्रमीरी॥युगलानन्यचारित्यागेविनुसुरकिलसहल२
फकीरी॥३६॥हरसेहरफसरफफाहिसदलदफेनसदभ्रासकी॥२
जिसनेसौकसजनसफीकसेकियासोईपरपक्षा॥हासिलहुभ्रा
उसीकोयहरससरनजोनरसिदतक्षा॥युगलानन्यशररागहरदम
दिलत्नगात्नगनदाधक्षा॥३७॥होयगएमस्तानदिवानेजेतेज
गतदेमानेमे॥धोयगएदिलसरदुनीहरतोरसनेहसमानेमे॥ ॥६॥

सोयगए सोई सुखसंजुत सरससमाधिप्रमानेमे॥ सोयगए याहिसख
यावखलखलक कलेशकमानेमे॥३८॥ कामजहवसेमनलवउ
नकोजानकोलगनलनामीहै॥सवसेहयेउदासहमेसेकेवलइस्कक,
नामीहै॥दिलारामकेजिकरविनासवमुकेहिरसहनामीहै॥युगलान
न्यप्यारणमेरीउनहीकोसदानमामीहै॥३९॥लालपागनुरागवद्धाव
नसोहनलालरसीला॥लालअंगमनमोहनसोहनलालैरंगरङ्
मीला॥लालजडीसेजडीनकंजपदपनहीलालरसीला॥युग
लानन्यनिहारिलालेछविपरिकरिकरीनेहालना॥४०॥अलङ्

तेम्रतिप्रबलविरहज्वररैनदिवसदिलराहै॥बारहमासनिवासबास
उरपलभरजुदानजाहै॥श्रैसीदसासनेप्रीतमसुधिलेतननचितचय
चाहै॥युगलानन्यप्रारगायेनेहपरविरहिनिविरहसराहै॥४१॥मान
मरोरनिजाजमोहवतमदमुरसिदमिलिमेटैहै॥बाहिसपरउदा
रप्यारमनप्रीतिप्रतीतिलपेटैहै॥लोकश्रोककुलसोकफोकस
मसमुझिविवादसमेटैहै॥युगलानन्यपायप्रीतमपदश्रीसरजू
नटलेटैहै॥४२॥श्रीसरजूनटमधरप्रागटरसमुन्दरवासविचारि॥
मोहनमधुरमकानसानमयनेहिपलश्रमलश्रयारी॥छायोजहां

तहां नहिं चक विषय वासना वारी ॥ श्रीयुगलानन्यशरणा चोदिसि
चेरवु शखि लीफुलवारी ॥ ४३ ॥ समतासार सनेह येकरसनिरसं
देहअरुगेहा ॥ ममतामधुर मोहनीमूरति जिमिचातकमुखमेहा ॥
ममतारहेमेशनाममधिममतामीतममेहा ॥ युगलानन्यशर
णारमनानितप्रीतमचरणासुदेहा ॥ ४४ ॥ दरियाइयकबीचगीता
हरसायतभ्राशकदेनेहै ॥ भ्रमलाभ्रमलमहामणिकमजबूव
काधिकेलेनेहै ॥ मरनेकोखतरानहेचितवितउपरसिरदेनेहै
॥ युगलानन्यशरणाऐसेहुसयारकहोपगकेनेहै ॥ ४५ ॥ रामरूप

॥९९॥ रसरंगरंगेजोतिनैनश्रीरसोहाताहै॥कमधामविसरायरैनदिनमन
महबूबलोभाताहै॥श्रीसासियवल्लभविहारथलश्रमलनश्रीरसो
हाताहै॥युगलानन्यशररागनेहीनिजमीतमाधुरीमाताहै॥छंद॥
श्राहसाहकेसुल्करहनचितचहनचवावहाही॥ज्वालाजहर
जहानविलक्षनदरदिलदूनदहाहै॥किससेकहूहालयहश्रप
नाचुपकरिजुलुमसहाहै॥युगलानन्यशररागनाशकश्राशक
श्रीरामकहाहै॥४७॥गारमारजोसहैयारकीतवश्रासकपदपा
वै॥महलमुरादमनौउरहासिलमेहरसनमसरसावै॥वदननिहारि ॥९९

नेहनैननयुतजीवनूजानजित्नावै॥युगलानन्यसनेहगलीमेदूजा
कहासमावै॥४८॥जोएजुगलकिशोरकिशोरीगहजोरीजुनजोही
है॥तनितसरससोगोरसोवरदेनभावरीमोहिहै॥उपमासकलहरि
हरादिनिमहामुनिनमनिमोहीहै॥युगलानन्यशरणासियसुंदर
रूपतागमनपोहीहै॥४९॥हमविवईदिलदारयारकेविषयकहमा
सच्चाहै॥एकचनमहबूबखूबवरखूबवरखुलखुलवेगमनच्चाहै॥सवो
रोजहूहबूबखूबवरखूबवरखुलासकवोजकरसोआसकप्रियरच्चाहै॥
युगलानन्यविनायहलक्षनभजनभावनाकच्चाहै॥५०॥श्रीराम॥

मंजु
॥१२॥ लैलनिहारनिहारयारहवमाहतावनलिहारीहै॥नूरपूरसुदसा
सश्रनूठीमाधुरनाकियहारेहै॥श्रानसजानजुदाईजालिमनधु
रमेंएषनिसारीहै॥जुगलानन्यहमेसेश्राशकचश्मजोरे
दिखाएहै॥५१॥दरजादूरएकवाजनकोकरनसुननसेन्या
राहै॥महबूवीहीमेहरनमागेकहरमहमुदधाराहै॥श्रापखा
कमेमिलेमौजसेदिलजानीदिलदारहै॥युगलानन्यएकट
कहरदमनेहीनजरनिजाराहै॥५२॥मुझेकियावदनामदमे
दुनियेमेंश्रजवनमाशाहै॥खुशीकरैदरश्रापमहलमेदेखनी ॥१२॥

दिलहासाहै॥जोकवहीश्रारगजीहोयलिखोजतावनवासाहै॥
युगलानन्ययादमेतेरेपानीधोचवतासाहै॥५३॥देखाश्राजरसी
लागभरूश्रवरवैचकमाना॥सरजूसरिनोंनारेप्यारेकरैंकै
हरकैमिलाना॥संगीनौरंगीश्रलवेलेसखासजेधनुवाना॥यु
गलानन्ययारछविउपरकियाकामकुरवाना॥५४॥चितवन
सांगचलायययारमनतनमेछेदकियाहै॥टांकालगेनसीनेमा
फिकश्रैसादरदियाहै॥श्रगरहकीमनसीहाश्रावैनौभीभी
नहियाहै॥युगलानन्यसैनसुंदरमुसुकानविलोकिजिया

मंजु
८ १३॥

है॥५५॥इस्क फकीरी रंग अमीरी दमरी सेर नहीहै॥कोइ मोह की
बेरी फिरे सर पे फिरत वही है॥मन महबूब मिलापन पलभर खा
तेहूं दहीहै॥युगलानन्य शरणा वा तो सेकिसने लालल हीहै॥ ५६
इस्क दिवाने दरद भरे दिल हिलन मिलन नित चाहे॥खाहे सहे
चन हीहर गिज दीदार या रसुखमाहे॥गारत करउ राहर नोरन
दोनो दिन निगाहे॥युगलानन्य शरणा सरवन नित नोश नरस नि
धिजाने॥५७॥फकीर कहाना जगत रिझाना कहो किसने फर्मा
याहै॥साहन साह गुलाम हुआ फिर किसको शीश नवाया है॥

एरसमनिजवस्थलगैनत्वकौडीकौनकमायाहै॥युगलानन्यप्रा
णाहरदमविनचाहफकीरिसयाहै॥ध्रु॥नामफकीरअमीरहमेसे
अनकोठरीअंदर॥लालचअलपवासनेघुमेन्योवाजारिवंस्थो॥
संतसेवसेरंगनाहसपनेविषयविहारीकंदरहै॥युगलानन्यप्रा
णानेलायकभजनविहीनकलंदरहै॥पूर्ण॥मनविदेशकेश
नहिसपनेऐसाइशहमारहै॥इसकचपेटालगाजिन्होकोतिनका
नहगुजाराहै॥उरमेप्रीतमरामसत्संगनमेजगतरंगनेन्यारहै॥युग
लानन्ययुगलसूरनिपटनमनधनसववारहै॥६०॥कयागफलनत

मेरु ॥१५॥ मेरु तरहा भक्तन संगति न हि करनाहै ॥ जहां तहां वर वाद स्वाद स
समान तन भरमाहै ॥ सियवर रूप प्रसंस कहा करव पाजन मन नाम
काहै ॥ युगल नैन्य चेत वौरे श्रवही भव दुस्तर तरनाहै ॥ ध्र ॥
इपनि चरण सरोज मधुप मन ध्यान हमेश किया कर ॥ पल पल प
ल न श्रंजुलि न भरि भरि छवि श्रंजुलि नि पिया कर ॥ जनक किशो
री रघुकुल मंडन नाम हमेसलिया कर ॥ रामरसिक रसिक नकीजू
ठन लैकर जिया कर ॥ ध्र ॥ रविकुल कमल भानु कुल भूषन राज
किशोर यहां कर ॥ अंग महल पर जंक विहारिन हो जिर कुमकहो ॥१६॥

कर ॥ रसिक सुख कोना नवा नवर कठिन कटाक्ष सहाकर ॥ जनक
किशोरी गोरी की तू मरजीदार रहाकर ॥ ६३ ॥ हम मानते प्रेम का पा
न पीना पेना ॥ जलै भ्राह से सीना निसि दिन फिर भिर न सिने
ना ॥ गिरि से गिरना [illegible] सिंह से भिरना पुनि कछु भै
ना ॥ रसिक मास्क मोहवन कर नाकर सिर लेना ॥ ६४ ॥ रे
माशूक नरका भ्याला इश्क जहर दा प्याला ॥ जो पीवे सो छकै
मदरस हग रुक ताला ॥ क्या पर वाह वाह तुझ ये से नेही नैन ज
ला ला ॥ रसिक दीदार दीजिये कर नेही निजहाला ॥ ६५ ॥ क

रेवेस्टसिकसी नृपसुतसुखमहतावऊजोरी॥छोडेफिरैअनरसि
यतरकरिजुलफैनागिनिकारी॥नापरयंकविलोकनदृगसरभा
क्कानउरसालगी॥रामरसिकदेविरहदईकीदवादरसभ्रजगा
नी॥६६॥जवतौरथभ्रचानकदेकरलगालियामनभेरा॥भ्र
कुसुकुक्यानवानदृगभ्रंजनभ्रासकाननननहेरा॥भ्रक्याहुभ्रा
सिकारीनृपसुतनिरदईकरननफेरा॥रामरसिकमिलिभ्रव
धछैलनमोहिकदमोदाचेरा॥६७॥जवनोकरिकरिप्यारषि
यारैयहयेहैनमामवछाया॥हसिहसिकेवसिकेचश्मोमें॥